भक्ति के रंग में रंगे,
हनुमान नज़र आये,
चीर दिया सीना,
सियाराम नजर आए,
भक्ति के रंग मे रंगे,
हनुमान नज़र आये।।

तर्ज आये हो मेरी जिंदगी में।

सुग्रीव के संग वन में,
हनुमान जी मिले थे,
मित्रता के फूल मन मे,
यही से ही खिले थे,
बने पक्के यार दोनों,
दुनिया मे अमर पाए,
चिर दिया सीना,
सियाराम नजर आए,
भक्ति के रंग मे रंगे,
हनुमान नज़र आये।।

लक्ष्मण को लगी शक्ति,
श्री राम जी घबराए,
और जा वेद सुषेण को,
लंका से उठा लाए,
वो पहाड़ उठा लाये,

महावीर यूँ कहलाये,
चिर दिया सीना,
सियाराम नजर आए,
भक्ति के रंग मे रंगे,
हनुमान नज़र आये।।

एक दिन माता सीता,
श्रृंगार कर रही थी,
मांग में वो अपने,
सिंदूर भर रही थी,
ये देख कर के हनुमत,
सिंदूर में नहाए,
चिर दिया सीना,
सियाराम नजर आए,
भक्ति के रंग मे रंगे,
हनुमान नज़र आये।।

भक्ति के रंग में रंगे,
हनुमान नज़र आये,
चीर दिया सीना,
सियाराम नजर आए,
भक्ति के रंग मे रंगे,
हनुमान नज़र आये।।

गायक मनोहर जी राव।
प्रेषक हिमांशु चावड़ा।

https://youtu.be/VmUXydX9-JE

Source: https://www.bharattemples.com/cheer-diya-sina-siyaram-nazar-aaye/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw